भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

ICAR-central Institute for Cotton Research, Nagpur

An ISO 9001:2015 Certified Organisation

कपास की खेती के लि 2 से 8 जन 2025 तक पहली साप्ताहिक सलाह

हरियाणा		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)						अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		मई/जून						जून				
		29	30	31	01	02	03	05	06	07	08	09
	हिसार	0	0	2	0	0	0	0.6	0	0	0	0
	जींद							0.6	0	0	0	0
	सिरसा	0	0	0	0	0		0.3	0	0	0	0
	रोहतक							0.6	0	0.1	0	0.1
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 से 2.4 मिमी		2.5 से 15.5 मिमी		15.6 से 64.4 मिमी		64.5 से 115.5 मिमी			115.6 से 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा			बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

हिसार में फसल वानस्पतिक अवस्था से लेकर वर्गाकार (पाती) अवस्था में है। वर्षा के बाद कुछ खेतों में खरपतवार देखे गए। फसल की वृद्धि के अनुसार हाथ/फावडे से खुरपाइ या यांत्रिक गुड़ाई की जाती है। चूसने वाले कीटों की आबादी आर्थिक सीमा स्तर से नीचे थी।

सिरसा में फसल वानस्पतिक अवस्था में है। जल्दी बोई गई फसल में बुवाई, अंतराल भरना, सिंचाई और अन्य अंतर-संस्कृतिक कार्य जैसे निराई-गुड़ाई का काम चल रहा है। कुछ स्थानों पर खरपतवार दिखाई दिए हैं।

सलाह :

हिसार में, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कपास की फसल में पहली सिंचाई करें जो 7-8 सप्ताह की होती है, इसके बाद कपास की फसल में यूरिया की पहली खुराक 1 बैग प्रति एकड़ की दर से डालें। सिंचाई या वर्षा के बाद हाथ से या मशीन से गुड़ाई करें। फूलों पर गुलाबी सुंडी के हमले के प्रति सतर्क रहें। पिछले सीजन के कपास के डंठलों का प्रबन्धन करे जिन्हें कपास के खेतों के पास नहीं रखना चाहिए। यदि फूलों में गुलाबी सुंडी का संक्रमण 5-10% से अधिक हो जाता है, तो नीम आधारित कीटनाशकों का 5 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। जड़ सड़न प्रभावित पौधों को 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से कार्बेन्डाजिम से भिगोने की सलाह दी गई है। बाढ़ सिंचाई से पहले मेड़ बनाकर जड़ सड़न प्रभावित क्षेत्र को सीमित करें ताकि इस बीमारी को और फैलने से रोका जा सके।

सिरसा में, किसानों को सुझाव दिया जाता है कि वे पौधों को खड़ा रखने के लिए जहाँ भी संभव हो, मौजूदा नमी से गैप फिलिंग करें। बुवाई से पहले, बीज को कार्बोक्सिन 37.5% + थिरम 37.5% डीएस @3.5 ग्राम या स्यूडोमोनास फ्लोरोसेंस डब्ल्यूपी @10 ग्राम या फ्लक्सापायरोक्सैड (333 ग्राम/एल एफएस) @1.5 मिली या टेट्राकोनाज़ोल 11.6% डब्ल्यू/डब्ल्यू (12.5% डब्ल्यू/वी) एसएल @1.5 मिली/किग्रा बीज से उपचारित करें ताकि बीज जनित रोगों का प्रबंधन किया जा सके।यदि फसल 40-45 दिन की हो गई है तो खेत की सिंचाई करें। सिंचाई के बाद, उचित खेत क्षमता पर ट्रैक्टर या हाथ से गुड़ाई या अंतर-संस्कृतिक क्रियाएँ करें ताकि उभरते खरपतवार वनस्पतियों को नियंत्रित किया जा सके। गुलाबी सुंडी के लिए 2/एकड़ की दर से फेरोमोन ट्रैप लगाएँ और नियमित अंतराल पर रोसेट फूल (गुलब्वत फूल) की निगरानी करें। जड़ सड़न को नियंत्रित करने के लिए जड़ क्षेत्र को कैबेन्डाजिम @ 2.0 ग्राम/लीटर या ट्राइकोडर्मा एसपीपी @ 10 ग्राम/लीटर पानी से भिगोएँ।

राजस्थान		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)						अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		मई/जून						जून				
		29	30	31	01	02	03	05	06	07	08	09
	अजमेर							0.7	0	0	0	0
	जोधपुर	2.8	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	नागौर							0.1	0	0	0	0
	पाली							0.1	0.1	0.1	0	0
	श्रीगंगानगर							0.2	0.1	0.1	0.1	0.1
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 से 2.4 मिमी		2.5 से 15.5 मिमी		15.6 से 64.4 मिमी			64.5 से 115.5 मिमी		115.6 से 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा			भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में खेतों की तैयारी और बुवाई का काम चल रहा है।

मध्य प्रदेश		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)						अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		मई/जून						जून				
		29	30	31	01	02	03	05	06	07	08	09
	खरगाँव	5	0	0				2	1.2	3.5	1.7	0.1
	धार							1.3	2.5	2.4	0.2	0
	खांडवा											
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 से 2.4 मिमी		2.5 से 15.5 मिमी		15.6 से 64.4 मिमी			64.5 से 115.5 मिमी		115.6 से 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा			भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

खंडवा में खेत की तैयारी का काम चल रहा है।

सलाह :

कपास की फसल की मौसम से पहले बुआई को हतोत्साहित करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे केवल जल्दी से मध्यम पकने वाली गैर बीटी किस्मों/बीटी संकरों की ही खेती करें। उन खेतों में कपास की खेती करने से बचें, जहां पिछले साल यही फसल बोई गई थी।